संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 248 पृष्ठ : 04, पानीपत, शनिवार 19 अक्टूबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

दूसरी नायब सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में अनुसूचित जाति कोटे में विभाजन का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने वंचित वर्गों को आरक्षण लाभ के लिए कोटा विभाजन का फैसला दिया था

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़,,। दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शुक्रवार को नायब सैनी ने पहली मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक अनुसूचित जाति के आरक्षण कोटा में वर्ग बार विभाजन करने का फैसला किया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया को यह जानकारी दी।नायब सैनी मंत्रिमंडल ने गुरुवार को पंचकूला में आयोजित विशाल समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शपथ ली थी।मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ 11कैबिनेट और दो राज्यमंत्री ने शपथ ली थी। नायब सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय में पदभार संभाला। पहले फैसले में सीएम सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में किडनी की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की मुफ्त डायलिसिस होगी। भविष्य में यह मुफ्त डायलिसिस सुविधा मेडिकल कॉलेजों में भी उपलब्ध कराई जाएगी। फिर सीएम ने सभी मंत्रियों के साथ जाकर उन्हें पदभार संभालाया।इसके बाद नायब सैनी ने मुख्यमंत्री पद पर अपने दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की।बैठक के बाद सीएम ने कहा कि बैठक में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक अनुसूचित जाति के आरक्षण कोटे में विभाजन को लागू करने का फैसला मंत्रिमंडल ने किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार अभी अनुसूचित जाति के लिए 15 प्रतिशत और जनजाति के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण है। इस 22.5 फीसदी आरक्षण में ही राज्य एससी व एसटी के उन कमजोर वर्गों का कोटा तय कर सकेंगे, जिनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब यह निकलता है कि एससी, एसटी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण में उसी वर्ग के आरक्षण का लाभ पाने से वंचित रह गए वर्गों को लाभ देने के लिए उपवर्गीकरण किया जा सकता है।

अनुसूचित जाति समुदाय की जो जातियां ज्यादा पिछड़ी रह गई हैं और उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है,और सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, उनको उपवर्गीकरण के जरिए उसी कोटे में प्राथमिकता दी जा सकती है। ताकि उन तक लाभ पहुंचे और उनका उत्थान हो। नायब सैनी ने सरकारी भर्तियों को लेकर कांग्रेस को घेरा। सीएम ने कहा कि नौकरी देना उनके लिए बिजनेस था और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को वह % दुकान% समझते थे। विधानसभा सत्र बुलाने को लेकर सैनी ने कहा कि कैबिनेट में इसको लेकर चर्चा हुई है। एक दो दिन में तारीख तय की जाएगी। अभी त्योहार है, उसके बाद ही बुलाएंगे। इसके अलावा उन्होंने अपराधियों को चेतावनी दी कि वे प्रदेश छोड़ दें वर्ना सुधार देंगे।

हरियाणा सचिवालय में सीएम के पदभार संभालने से पहले पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली भी उन्हें बधाई देने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि. किसानों की फसल का एक-एक दाना एम एस पी पर खरीदेंगे हरियाणा के किसानों को मैं फिर स्पष्ट करना चाहता हूं कि उनकी फसल का एक-एक दाना एम एस पी पर खरीदा जाएगा। उनके खाते में धान खरीद का 3,056 करोड़ रुपया पहुंचाया है। 17 अक्टूबर तक 3 लाख 44 हजार मीट्रिक टन बाजरे की आवक हुई है। इसमें से 2 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा की खरीद की जा चुकी है। किसानों के खाते में 331 करोड़ रुपए पहुंचा दिए हैं। बिना पर्ची-खर्ची नौकरी देने की मेरी जिम्मेदारी, है और मेरे साथ 24 हजार से अधिक युवाओं ने जॉइन किया केंद्रीय नेतृत्व ने विश्वास करके इस सी एम पद की जिम्मेदारी दी थी। मैंने उस दौरान वादा किया था कि 50 हजार नौकरियां देंगे। 15 हजार को दे चुके थे 25 हजार को नियुक्ति दी हैं। अभी तक मनोहर लाल ने इसे आगे बढ़ाया है, अब ये जिम्मेदारी मेरी है कि बिना खर्ची और बिना पर्ची के युवाओं को नौकरी दूं। मैंने कहा था कि मैं शपथ बाद में लूंगा, पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी पहले दूंगा।

मैंने भी जॉइन किया है, और उन युवाओं ने भी किया है।कांग्रेस युवाओं के हित की सिर्फ बात करती है। वह सरकारी नौकरी को बिजनेस के रूप में देखती थी। एक नौकरी में हमें कितना लाभ होगा। कांग्रेस ने सरकारी नौकरियों की भर्तियों को कोर्ट में ले जाकर छोड़ा। वह सोचती थी कि जब सरकार बनेगी तो हर विधायक का कोटा तय होगा। हमें ये मालूम है कि कांग्रेस की सरकार ने हाईकोर्ट में लिखित रूप में कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग लाला की दुकान है, लेकिन हरियाणा के लोगों ने बीजेपी पर पूरा विश्वास किया। यह पहली बार है कि हरियाणा में युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरी मिल रही हैं।

अपराधी प्रदेश छोड़ दें वर्ना सुधार देंगे। मैं ऐसे लोगों को चेतावनी देता हूं कि जो आपराधिक गतिविधि में लिप्त रहते हैं वे या तो सुधर जाए या प्रदेश छोड़ दें नहीं तो हम सुधार देंगे। हमारी सरकार का वादा है कि हर व्यक्ति की सुरक्षा करेंगे। सैनी ने कहा कि पहले से चल रहीं योजनाएं नॉन स्टॉप जारी रहेंगी। प्रदेश की जरूरत की नई योजनाएं बनाई जाएंगी। सुशासन हमारी सरकार का मूल मंत्र होगा। सब वर्गों का हित सुरक्षित रखने वाली नीतियां मुझे विरासत में मिली हैं। हमारी सरकार प्रधानमंत्री की नीतियों के हिसाब से ही चलेगी। गरीब, महिला, किसान के हितों में काम करेगी। सीएम नायब सैनी ने सबसे वरिष्ठ मंत्री अनिल विज को ऑफिस जाकर जॉइन कराया। इसके बाद वह एक-एक मंत्री के साथ उनके दफ्तर में गए और जॉइनिंग कराई। पदभार संभालकर कहा मुख्यमंत्री ने कहा कि 2.80 करोड़ हरियाणा वासियों का मुख्य सेवक हूं ।

भारत की मदद से मॉरीशस में सुधरेगी जल आपूर्ति व्यवस्था

नई दिल्ली। भारत ने मॉरीशस सरकार को 487.60 करोड़ रुपये की ऋण सहायता प्रदान की है। यह ऋण सहायता मॉरीशस में करीब 100 किलोमीटर पुरानी जल पाइपलाइन को प्रतिस्थापित करने की महत्वपूर्ण परियोजना के लिए दी गई है।

यह पहली बार है, जब भारत ने भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना (आईडीईएएस) के तहत परियोजना वित्तपोषण के लिए रुपये आधारित ऋण सुविधा की पेशकश की है। मॉरीशस में पुरानी जल पाइपलाइनों के कारण जल आपूर्ति में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए भारत की इस ऋण सहायता को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे मॉरीशस में जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे में सुधार होगा। इसके माध्यम से मॉरीशस की जल आपूर्ति प्रणाली को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाया जाएगा, जिससे नागरिकों को स्वच्छ और पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस कदम से भारत और मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूती मिलेगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारत सरकार द्वारा समर्थित ऋण सुविधा का वित्तपोषण भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रियायती शर्तों पर किया जाएगा। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मॉरीशस के अपने समकक्ष मनीष गोबिन को औपचारिक प्रस्ताव दिया था, जिसे अब मॉरीशस सरकार ने स्वीकार कर लिया है। यह पहल ग्लोबल साउथ (गरीब एवं विकासशील देश) में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को समर्थन देने की भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
34.0°C	23.0°C

संक्षिप्त समाचार

मोदी शनिवार को कर्मयोगी सप्ताह का शुभारंभ करेंग

एजेंसी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में 'कर्मयोगी सप्ताह' - राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का शुभारंभ करेंगे। मिशन कर्मयोगी की शुरुआत सितंबर 2020 में हुई थी और तब से इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसमें वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ भारतीय लोकाचार में निहित भविष्य के अनुकूल सिविल सेवा की कल्पना की गई है। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह (एनएलडब्ल्यू) अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन होगा जो सिविल सेवकों के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकास की दिशा में नई प्रेरणा प्रदान करेगा। यह पहल सीखने और विकास के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करेगी। एनएलडब्ल्यू का लक्ष्य 'एक सरकार' का संदेश देना, सभी को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ना और आजीवन शिक्षण को बढ़ावा देना है।

वरिष्ठ पत्रकार इरा झा का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली » वरिष्ठ पत्रकार इरा झा का राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शुक्रवार को निधन हो गया। यह जानकारी उनके नजदीकी सूत्रों ने दी। उनके परिवार में पति अनन्त मित्तल और बेटा ईशान मित्तल और पुत्रबधू हैं। सूत्रों ने बताया कि श्रीमती झा 62 वर्ष की थीं और पिछले कुछ दिनों से बीमार थीं । उन्हें पहले राजधानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और तबियत बिगड़ने पर उन्हें गुरुवार को एम्स में स्थानांतरित कराया गया, जहां आज दोपहर में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे शाह

एजेंसी

नई दिल्ली » केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पुलिस स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को यहां राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में 21 अक्तूबर, 1959 को सशस्त्र चीनी टुकड़ी द्वारा घात लगाकर किए हमले में पुलिस के 10 वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन शहीदों एवं ड्यूटी के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले अन्य सभी पुलिसकर्मियों की स्मृति में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दविस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुलिसकर्मियों द्वारा दिए गए बलिदान तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता बनाए रखने में पुलिस की उत्कृष्ट भूमिका का सम्मान करते हुए पुलिस स्मृति दिवस, 2018 के अवसर पर चाणक्यपुरी में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक देश को समर्पित किया।

यह स्मारक पुलिस बलों में राष्ट्रीय पहचान, गर्व, उद्देश्यों में एकरूपता, एक समान इतिहास और भविष्य की भावना भरने के साथ-साथ उनकी इस प्रतिबद्धता को भी और मजबूत करता है कि उन्हें अपने प्राणों की कीमत पर भी देश की रक्षा करनी है। पुलिस स्मारक में एक केंद्रीय शिल्पकृति के अलावा 'शौर्य की दीवार' तथा एक संग्रहालय भी है। केंद्रीय शिल्पकृति के रूप में मौजूद एक 30 फुट ऊँचा ग्रेनाइट का एकल पाषाण खंड पुलिस कर्मियों की शक्ति, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। इसी प्रकार 'शौर्य दीवार' जिस पर शहीदों के नाम उत्कीर्ण हैं, कर्तव्य के पथ पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले पुलिस कर्मियों की बहादुरी और बलिदान के अचल प्रतीक के रूप में उपस्थित है। यहाँ मौजूद संग्रहालय की संकल्पना में भारतीय पुलिस व्यवस्था के इतिहास और विकास यात्रा के दर्शन होते है। यह स्थान पुलिस बल और आम नागरिकों, दोनों के मन में एक तीर्थस्थल जैसा आदर रखता है। यह स्मारक आम जनता के लिए सोमवार के अलावा अन्य सभी दिन खुला रहता है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा प्रत्येक शनिवार और रविवार को सूर्यास्त से एक घंटा पूर्व यहाँ बैंड, परेड और रिट्रीट समारोह का आयोजन भी किया जाता है।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को धन शोधन मामले में मिली जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से उनके खिलाफ दर्ज धन शोधन मामले में शुक्रवार को नियमित जमानत दे दी। राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत के न्यायाधीश विशाल गोगने ने अभियोजन और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद श्री जैन को कई शर्तों पर जमानत दी। अदालत ने लंबे मुकदमे और करीब 18 महीने की कैद को देखते हुए उनकी नियमित जमानत याचिका स्वीकार की। अदालत ने उन्हें 50,000 रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के दो जमानतदारों की शर्त पर जमानत दी। इसके अलावा मामले से संबंधित गवाहों से संपर्क न करने या उन्हें प्रभावित न करने और पूर्व अनुमति के बिना भारत से बाहर न जाने की भी उन्हें निर्देश दिया गया है। सुनवाई के दौरान श्री जैन के वकील ने पहले अदालत के समक्ष दलील दी कि गवाहों को प्रभावित करने की कोई आशंका नहीं है और अगर अदालत उन्हें नियमित जमानत देती है तो उनके भागने का भी कोई खतरा नहीं है।

रक्षा क्षेत्र में 'भागीदारी' से नेतृत्व की ओर बढ़े निजी क्षेत्र : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली » रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से रक्षा क्षेत्र में 'भागीदारी' से 'नेतृत्व' की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया है और भारत को नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्र तथा दुनिया के सबसे मजबूत देशों में से एक बनाने के लिए सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है।

श्री सिंह शुक्रवार को यहां डीआरडीओ भवन में रक्षा प्रौद्योगिकी को बढावा देने पर आयोजित डीआरडीओ-उद्योग कार्यशाला के दौरान वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों , शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप, एमएसएमई और युवा उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने हाल के दिनों में रक्षा क्षेत्र में बदलाव पर विचार साझा करते हुए कहा कि, आज, प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक युद्ध को अपरंपरागत युद्ध में बदल दिया है।उन्होंने कहा, 'आधुनिक युद्ध में ड्रोन, साइबर युद्ध, जैव-हथियार और अंतरिक्ष रक्षा जैसे नए आयाम जोड़े गए हैं। इस परिवर्तनकारी चरण में, रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाएगा। हमारे वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप, एमएसएमई और युवा उद्यमियों को इस प्रयास में एक साथ काम करते हुए देखना खुशी की बात है। यह निजी क्षेत्र के लिए नेतृत्व करने का समय है क्योंकि इसमें तेजी से बदलावों को अपनाने और नए नवाचार की क्षमता है। '

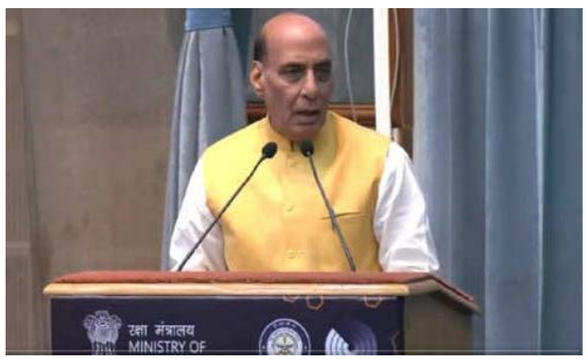

श्री सिंह ने गैर परंपरागत युद्ध में बढत हासिल करने के लिए लीक से हटकर विचारों को अपनाने का एकमात्र तरीका बताया। इसे एक कठिन कार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रयास में युवाओं, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और एमएसएमई को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र को और अधिक नवीन और प्रौद्योगिकी-उन्मुख बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। अनुसंधान एवं विकास परिदृश्य को मजबूत करने और वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना पात्र उद्योगों को अनुदान सहायता के रूप में कुल परियोजना लागत का 90 प्रतिशत तक प्रदान कर रही है।' उन्होंने कहा कि कुल सहायता 50 करोड़ रुपये तक है, जो किसी भी एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास में निवेश के लिए एक अच्छी राशि है। छह साल पहले शुरू होने के बाद से, 79 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 18 परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी सफलतापूर्वक विकसित की गई है।

भारत का मानवाधिकार रिकार्ड बेजोड़, कई देशों से काफी आगे : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली » उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत का मानवाधिकार रिकॉर्ड बेजोड़ है और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों, हाशिए पर रहने वालों तथा समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों के संरक्षण में वह अन्य देशों से काफी आगे है।

श्री धनखड़ ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 31वें स्थापना दिवस पर वृद्ध व्यक्तियों के अधिकारों पर एक समारोह और राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर 1993 को की गई थी। उन्होंने कहा कि अलग-अलग घटनाएं भारत और उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड को परिभाषित नहीं कर सकतीं। उन्होंने दूसरों पर सत्ता जमाने के लिए विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में मानवाधिकारों में हेरफेर करने की कुछ संस्थाओं की प्रवृत्ति की आलोचना की। उपराष्ट्रपति ने दुनिया के अन्य हिस्सों में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर वैश्विक चुप्पी पर चिंता व्यक्त करते हुए मानवाधिकारों के सभ्यतागत संरक्षक के रूप में भारत की असाधारण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री धनखड़ ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को मानवाधिकारों का चैंपियन

बनना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी उनके साथ आर्थिक रूप से गड़बड़ी न करे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को राजनीतिक चश्मे से नहीं बल्कि पक्षपात से देखा जाना चाहिए।

उन्होंने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत तरीके से बदनाम करने के लिए काम करने वाली खतरनाक ताकतों के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्रंथ मानव जीवन शैली के चार्टर हैं- मानव जीवन पर ज्ञान का भंडार हैं।उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने कोविड महामारी के समय से ही रंग, जाति और वर्ग की परवाह किए बिना 85 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन खिलाना जारी रखा है जो लोग भारत की भूख की स्थिति के बारे में बात करते हैं उन्हें आत्मचिंतन करने की जरूरत है। देश में कानून के समक्ष सभी समान हैं। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि कैसे लाभार्थी के खाते में लाभ के सीधे हस्तांतरण ने देश में भ्रष्टाचार को बेअसर कर दिया है। श्री धनखड़ ने भारत में भेदभाव रहित विकास के परिवर्तनकारी दशक पर प्रकाश डाला जिससे वर्ग, जाति, जनसांख्यिकी के बावजूद समाज के हर वर्ग के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि अजेय रही है और यह पिरामिडीय नहीं है और सभी को लाभ मिल रहा है। किफायती आवास, गैस कनेक्शन, नल का पानी, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सड़क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं गैर-भेदभावपूर्ण प्रगति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी विकासात्मक परियोजना कभी भी उन परिस्थितियों के अलावा अन्य परिस्थितियों से निर्धारित नहीं हुई है जो मानवाधिकारों के अंतिम उद्देश्य को पूरा करती हैं। इससे पहले आयोग की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी ने कहा कि आयोग मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों सहित हाशिए पर मौजूद लोगों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर सभी के लिए सम्मान, स्वतंत्रता और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने में मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ कार्यवाही बंद की

एजेंसी

नई दिल्ली » उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु जग्गी वासुदेव के कोयंबटूर स्थित ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय की कार्यवाही का दायरा बढ़ाने को शुक्रवार को अनुचित करार दिया और कार्यवाही बंद कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह आदेश पारित किया। पीठ ने महसूस किया कि उच्च न्यायालय द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण कार्यवाही के दायरे को बढ़ाना अनुचित था, क्योंकि उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र अच्छी तरह से परिभाषित है। इस मामले में उच्च न्यायालय की ओर से कार्यवाही का विस्तार करना अनावश्यक था।

शीर्ष अदालत ने पाया कि 39 और 42 वर्ष की दो महिलाओं ने इस अदालत के साथ-साथ पुलिस के समक्ष अपने बयान दिए थे कि वे स्वेच्छा से और अपनी स्वतंत्र इच्छा से आश्रम में रह रही थीं। सुनवाई करते हुए पीठ ने फाउंडेशन से यह भी कहा कि वह धर्मनिरपेक्ष

कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करे।पीठ ने फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और वी गिरी से कहा, 'इसका उद्देश्य संगठन को बदनाम करना नहीं है, बल्कि आपको धर्मनिरपेक्ष प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। उल्लंघनों को सुधारना होगा।' शीर्ष अदालत ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा की गई कार्यवाही के बाद तीन अक्टूबर को उस मामले को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। इसके बाद शीर्ष अदालत की पीठ ने दोनों महिला साध्वियों से वर्चुअली और चैंबर में बातचीत की और पाया कि वे अपनी मर्जी से और बिना किसी दबाव के वहां रह रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देश पर तमिलनाडु पुलिस ने एक अक्टूबर को ईशा फाउंडेशन के आश्रम में तलाशी ली थी।

संपादकीय

डाकुओं और डॉन में जमीन -आसमान का फर्क

मैं एक जमाने में दुर्दांत डकैतों के लिए बदनाम चंबल इलाके से आता हूँ। मैंने अपने पत्रकारिता के कार्यकाल में डाकुओं की जितनी कहानियां बनाई और बेचीं उतनी शायद मुंबई के डॉन की कहानियां भी नहीं बिकी होंगीं। चंबल के डाकू दो दशक पहले हमेशा -हमेशा के लिए समाप्त हो गये। लेकिन मुंबई के डॉन आज भी ज़िंदा हैं । मुंबई के डॉन और चंबल के डाकुओं में बहुत फर्क है। डाकू कभी किसी की हत्या के लिए सुपारी नहीं लेते थे,लेकिन डॉन सुपारी लेते भी हैं और देते भी हैं। डाकू हों या डॉन मीडिया के लिए हमेशा 'हाट केक' की तरह बिकने वाले कथानक रहे है। आजकल मुंबई में ही नहीं पूरे देश में डाकुओं से ज्यादा डॉन की चर्चा हैं। डॉन लारेंस विश्नोई द्वारा हाल ही में दिल्ली और मुंबई में सुपारी देकर कराई गयी हत्याओं के बाद सुर्ख़ियों में हैं। भ्रष्ट नेताओं से ज्यादा खूखार डॉन सुर्ख़ियों में है। विश्नोईयों के बारे में धारणा है कि वे न केवल पर्यावरण प्रेमी होते हैं बल्कि काले हिरणों के सबसे बड़े संरक्षक भी होते हैं ,लेकिन इस विश्नोई समाज से यदि लारेंस डॉन बनकर निकला है तो हैरानी होती है। पता नहीं लारेंस का राजस्थान के विश्नोई समाज से कोई वास्ता है भी या नहीं। मैंने अपने पत्रकारिता के जीवन में देश के इस सदी के सबसे कुख्यात और 'रॉबिनहुड' रहे डकैत देखे है। उनसे मिला हूँ। माधौ सिंह ,मोहर सिंह ,तहसीलदार सिंह, पान सिंह,निर्भय गूजर से लेकर फूलन देवी तक को मै खूब जानता था,लेकिन कोई इतना नृशंस नहीं था, जितना कि आजकल के डॉन हैं। डाकुओं ने हत्याएं कीं,अपहरण किये, गांव के गांव जलाये लेकिन उनकी करतूतों के पीछे की कहानियां कुछ और हुआ करतीं थीं। उनके मन में हिंसा के साथ दया-माया भी थी। वे रॉबिन हुड की तरह गरीबों की मदद भी करते थे और आततायियों को सबक भी सिखाते थे। डाकुओं ने कभी प्रदेश में बैठकर अपने गिरोह नहीं चलाये लेकिन मोदीकाल के डाकू अमेरिका में बैठकर अपने गिरोह चला रहे है। बीहड़ों के बजाय वातानुकूलित जेलों में रहकर गिरोह चला रहे है। बात नए -नए डॉन लारेंस विश्नोई की हो रही थी। लारेंस विश्नोई हाल ही में एनसीपी 'अजित गुट' के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सुर्ख़ियों में है। उसके निशाने पर एक लोकप्रिय अभिनेता सलमान खान के अलावा अनेक खान हैं। ये महज संयोग है या कोई नियोजित अभियान की लारेंस और सत्तारूढ़ दल के लक्ष्य एक जैसे ही है। कभी -कभी लगता है कि लारेंस ने या तो संघ और भाजपा का एजेंडा चुरा लिया है या वो इन संगठनों और दलों का अंधभक्त बन गया है। दोनों के निशाने पर अल्पसंख्यक ज्यादा हैं ,दुसरे लोग भी हैं लेकिन अल्पसंख्यक सबसे ऊपर है। कहने को तो बाबा सिद्दीकी जैसे लोग संजय दत्त के भी खैरख्वाह थे।

दरअसल मै अपने नयी पीढ़ी के पाठकों को डॉन और डाकुओं में फर्क बताने की कोशिश कर रहा था। डाकू विषम परिस्थितियों में बीहड़ का रास्ता पकड़ते थे और डॉन सुनियोजित तरीके से मुंबई का रुख करते हैं। डॉन और डाकू पहले छोटी वारदात करते हैं , बाद में किसी स्थापित गिरोह में शामिल होते हैं लेकिन बाद में अनुभव हासिल होते ही डॉन अपने स्वतंत्र गिरोह बना लेते हैं। जाति डॉन की भी होती है और डाकू की भी। हाजी मस्तान से लारेंस तक और मान सिंह से लेकर जगजीवन परिहार तक कहानियां एक जैसी हैं।दोनों कि जीवन पर फ़िल्में भी खूब बनतीं और चलतीं हैं। लेकिन डाकू दिलेर होते हैं और डॉन कायर। डाकू पुलिस से सीधे मुठभेड़ करते हुए मारे जाते हैं ,लेकिन डॉन कभी पुलिस से सीधे मोर्चा नहीं लेते। डाकुओं के गुर्गे नहीं होते लेकिन डॉन के होते हैं। डॉन और डाकूओं में महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम रहा है। फूलन तो डाकू जीवन से मुक्त होकर संसद तक पहुंची। एक डाकू सरगना मलखान सिंह भी फूलन का अनुशरण करते हुए विधानसभा में पहुँचने के लिए बार-बार चुनाव लड़ा लेकिन कामयाब नहीं हुआ। डॉन भी किवदंती बने हैं ,लेकिन शायद ही कोई डॉन हो जो संसद तक पहुंचा हो, हालाँकि हाजी मस्तान ने डॉन बनने के बाद गाँधी टोपी पहनकर नेतागीरी की थी लारेंस को भविष्य में कोई हिंदूवादी पार्टी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में टिकिट दे दे तो मै जानता नहीं। हाँ डाकुओं कि मंदिर हैं लेकिन डॉन कि नहीं। लोकतंत्र के लिए डाकू और डॉन समान रुप से उपयोगी रहे है। मैं ऐसे तमाम नेताओं को जानता हूँ जो एक जमाने में चुनावों के वक्त चंबल में डाकुओं के प्रभाव का ,आतंक का इस्तेमाल खुलेआम करते थे।

चंबल की ये कहानी मै महाराष्ट्र ,गुजरात और देश के हर हिस्से में दुहराते हुए देख रहा हू। अब हर राज्य में कोई न कोई डॉन किसी न किसी नेता को चुनाव जितने के लिए अपने प्रभाव और आतंक का इस्तेमाल करता है। डॉन और डाकू आतंक के कारण ही समाज में ज़िंदा हैं। अब डॉन और डाकुओं ने अपनी वर्दी बदल ली है। वे खादी से लेकर 'हुडी' तक पहनने लगे हैं। डाकुओं के समर्पण के लिए विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से लेकर अर्जुन सिंह तक ने अथक प्रयास किये थे लेकिन डॉन को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किसी नेता ने किये हो तो मुझे मालूम नहीं। डॉन आज भी सुपारी ले और दे रहा है। हत्याएं करा रहा है। चौथ वसूली कर रहा है। डाकू ये सब छोड़ चुके हैं। वे या तो खेती कर रहे हैं या राजनीति या समाजसेवा। दुर्भाग्य कहूँ या सौभाग्य कि मुझे आजतक किसी डॉन से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला, हालाँकि हमारे पूर्वज कहें या अग्रज स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक सीमा पर जाकर पाकिस्तान के डॉन हाफिज सईद से मिल आये थे। उनका और हाफिज जी का इंटरव्यू ठीक उसी तरह से सुर्खियां बना था जैसा की एक जमाने में फूलन और निर्भय के इंटरव्यू। बहरहाल डाकुओं की कहानी तो लगभग समाप्त हो चुकीहै किन्तु डॉन की फिल्म खत्म होने का नाम नहीं ले रही। डॉन की कहानी ने 'सीक्वल' का रुप ले लिया है। एक जाता है तो दूसरा आ जाता है। ये तब तक चलेगा जब तक सियासत चाहेगी । जिस दिन सियासत और डॉन का रिश्ता दरकेगा डॉन की कहानी भी उसी तरह समाप्त हो जाएगी जैसे की डाकुओं की हुई है। डॉन ,डाकू और डाकिया तंत्र लोकतंत्र के लिए अभिशाप है। इनका खात्मा जितनी जल्द हो उतना अच्छा है। अन्यथा न मुंबई चैन से रह पायेगी और न दिल्ली।

▪ *राकेश अचल*

बिहार में जहरीली शराब बन गई मौत का वारंट !

मनोज कुमार अग्रवाल

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है. इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है. जबकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। ऐसे हालात में शराब को लेकर अभी बहुत जागरूकता लाने और सरकारी नीतियों का पुनरीक्षण कर विचार करने की जरूरत है ताकि लोगों को शराब के जहर से बचाया जा सके।

देश के कई हिस्सों में अवैध शराब समय समय पर लोगों को मौत परोसने का काम करती रही है। हर साल सैकड़ों लोगों की मौत अवैध शराब के सेवन से होने की घटनाएं सामने आ रही है लेकिन सरकार इस समस्या से निपटने में पूरी तरह नाकाम साबित हुइ है। ताजा घटना बिहार से सामने आ रही है यहां सीवान और सारण जिलों में जहरीली शराब पीने से 47 लोगों की मौत हो गई है सैकड़ों मौत से जूझ रहे हैं और कई की आंखों की रोशनी चली गई है।

जहरीली शराब से हुई मौतों के कारण कई गांवों में मातम पसरा हुआ है। मृतकों के परिजन मौत की वजह जहरीली शराब बता रहे लेकिन प्रशासन की ओर से इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है।घटना के बाद सीवान एसपी ने एक थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर किया है, वहीं 2 चौकी इंचार्ज सस्पेंड किए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया। छापेमारी की जा रही है। स्वास्थ्य महकमे को अलर्ट रखा गया है। लोगों की संदिग्ध मौतों का मामला मंगलवार-बुधवार को सामने आया। सीवान के सीमावर्ती सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में दो लोगों की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई और एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर शाम तक जिले में कई मौतों के मामले सामने आए। इसके साथ ही सिवान जिले में भी ऐसी घटना से हड़कंप मच गया। पुलिस प्रशासन को खबर मिलने पर अधिकारी प्रभावित गांवों में पहुंचे। ग्रामीणों द्वारा बताया गया है कि एक दिन पहले ही इलाके में मछली पार्टी का आयोजन किया गया था। जिसमें शराब का भी सेवन किया गया। शराब के पीने के बाद से ही इसे पीने वाले लोगों की तबियत खराब होने लगी। बता दें कि बिहार में 2016 से शराबबंदी है, इसके बाद भी जहरीली शराब से मौतों के मामले सामने आते रहते हैं।

आपको बता दें कि करीब चार महीने पहले तमिलनाडु में अवैध शराब का कहर टूटा। कल्लाकुरिची जिले से सामने आए अवैध शराब के मामले में मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। अब तक 57 लोग दम तोड़ दिया था । शराब एक ऐसी बुराई है जिस पर रोक लगाई जानी चाहिए परंतु हमारी सरकारों ने इस ओर से आंखें मूंद रखी हैं। इसका कारण यह है कि हमारी सरकारें इसकी बिक्री से होने वाली भारी-भरकम आय को खोना नहीं चाहते क्योंकि सरकारें इसी के सहारे ही चलती हैं।

आज देश में शराब का सेवन लगातार बढ़ रहा है और अब तो समाज विरोधी तत्वों द्वारा नकली जहरीली शराब भी बनाई जाने लगी है जिसके इस्तेमाल से होने वाली मौतों के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं के सुहाग उजड़ रहे हैं और बच्चे अनाथ हो रहे हैं। शराब वैध हो या अवैध दोनों ही स्वास्थ्य का नुकसान करती है। नकली अवैध शराब तो सीधे जहर पीना है लेकिन सस्ती के चक्कर में नशे के आदि लोग नकली अवैध शराब पीने से भी बाज नहीं आ रहे हैं इसी का परिणाम है कि आए दिन शराब

पीने से लोगों की असमय मौत के मामले बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट बताती हैं 2022 में छपरा में नकली शराब पीने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें मास्टरमाइंड सहित पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इसके पूर्व बिहारशरीफ, गोपालगंज और बेतिया में नकली शराब पीने से मौत के मामले सामने आए थे।26 जुलाई, 2022 को गुजरात के 'बोटाद' जिले में जहरीली शराब पीने से 18 लोगों की मौत और 45 लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। 24 सितम्बर, 2023 को बिहार के मुजफ्फरपुर में जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत तथा 3 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई।11 नवम्बर, 2023 को हरियाणा के यमुनानगर और अम्बाला में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच गई। 19 नवम्बर, 2023 को बिहार के सीतामढ़ी में जहरीली शराब पीने से 3 लोगों की मौत तथा 1 गंभीर रूप से बीमार हो गया। 22 मार्च, 2024 को संगरूर में जहरीली शराब पीने से 20 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ लोग अंधे हो गए। 18 जून, 2024 को छत्तीसगढ़ में कोरबा जिले के 'कोटमेर' गांव में जहरीली शराब पीने से एक महिला सहित 3 लोगों की मौत हो गई।

18 जून, 2024 को ही तमिलनाडु के 'कल्लाकुरिची' जिले में 'पैकेट' और 'सैशे' के रूप में खरीदी जहरीली शराब पीने के कुछ ही समय बाद बड़ी संख्या में लोगों को दस्त, उल्टी आने, पेट दर्द और आंखों में जलन की शिकायत शुरू हो गई और फिर उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई।23 जून के आते-आते जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 57 तक पहुंच गई, जबकि 100 से अधिक लोगों की उपचार से जान बचा ली गई। इस मामले में 49 वर्षीय अवैध शराब विक्रेता 'कन्नुकुट्टी' सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 'कन्नुकुट्टी' के पास से जब्त की गई 200 लिटर अवैध न शराब की जांच में सामने आया कि उसमें घातक 'मेथेनाल' मौजूद था।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष भी राज्य के 'विल्लूपुरम' तथा 'चेंगलपट्टू' दे जिलों में अवैध शराब पीने से 22 लोगों की मौत हो गई थी।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस मामले की जांच के लिए मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. गोकुलदास के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग गठित करने का निर्देश देने के अलावा जिले के एस. पी. को बर्खास्त तथा जिला कलैक्टर का तबादला कर दिया है।

देश में नकली शराब से सबसे अधिक 134 लोगों की मौत बिहार में हुई। इसके बाद दूसरे स्थान पर कर्नाटक और तीसरे स्थान पर पंजाब है। वर्ष 2022 में देश भर में अवैध व नकली शराब के 507 केस दर्ज हुए। इनमें 617 लोगों की मौत हुई, जिनमें 15 महिलाएं थीं। हालांकि, बिहार में एक भी महिला की मौत अवैध शराब के सेवन से नहीं हुई है।एनसीआरबी 2022 की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। अवैध और नकली शराब से जुड़े बिहार में सबसे कम 29 केस सामने आए, लेकिन मौत के मामले में आंकड़ा सबसे अधिक है।

आपको बता दें कि फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट बताती है कि देश में अवैध शराब का कारोबार 23 हजार 466 करोड़ रुपये का है. फिक्की के मुताबिक, अवैध शराब की तस्करी की वजह से सरकार को 15 हजार 262 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है. अवैध शराब यानी जिसका कोई रिकॉर्ड नहीं है. ये शराब बिना किसी रिकॉर्ड के बिकती है. इसकी तस्करी होती है और इस पर कोई टैक्स नहीं दिया जाता है. लिहाजा अवैध शराब की तस्करी से सरकार को रेवेन्यू लॉस होता है, लोगों की मौत होती है तो दूसरी ओर शराब कारोबारी पैसा कमाते हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है. इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है. ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है. जबकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है।

ऐसे हालात में शराब को लेकर अभी बहुत जागरूकता लाने और सरकारी नीतियों का पुनरीक्षण कर विचार करने की जरूरत है ताकि लोगों को शराब के जहर से बचाया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आधुनिकता से बिखरते परिवार, त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

संजीव ठाकुर

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है। बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है। महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है। बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैद्य देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैद्य करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंद्य इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीद्य भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी हैद्य सैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैंद्य हमें कोविड-19 के आतंक के साए को भी नहीं भूलना चाहिए।हमे लगातार सावधानी रख कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड-19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरुआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड-19 की तीसरी लहर के आंकड़े डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी है।

अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है। दिल्ली ,मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद,चेन्नई से कोविड-19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया, लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड-19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय,मलेशिया,थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, अर्जेंटीना,अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम,असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका,और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड-19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी। 24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह नियंत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल, टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निर्माता, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े-बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया ।यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी । लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया , अब कोविड-19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है। यह तीसरी लहर का वैरीऐट बच्चों तथा युवा बुजुर्ग लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, और इसके कोई लक्षण भी नहीं दिखाई देंगे, कोविड-19 की पहली लहर में संक्रमण दस दिन तक अपने उफान पर रहता था अब दूसरी लहर में 5 दिन में या पूरे शबाब पर आ जाता है, तीसरी लहर में न जाने यह दो या तीन दिन में अपना सर्वाधिक असर दिखाने वाला होगा, ऐसे में तीसरा संक्रमण कॉल बहुत ज्यादा डरावना और संक्रमण का होगा,वह दूसरे संक्रमण काल से भी ज्यादा मौत देने वाला होगा।

सैन्य बलों को ताकतवर बनाएंगे प्रीडेटर ड्रोन

डॉ0 लक्ष्मी शंकर यादव

पानी की सतह के उपर और अन्दर दोनों ही प्रकार की जगहों की निगरानी व छानबीन के लिए इसमें 80 से ज्यादा जी-साइज के सोनोबॉय लगाए गए हैं। सोनोबॉय वह डिवाइस है जो रेडियो सिग्नल के माध्यम से पानी के भीतर हो रही आवाजों की पहचान करता है। इनकी मदद से प्रीडेटर ड्रोन गहरे पानी में छिपी हुई षत्रु की पनडुब्बियों को आसानी से खोज लेता है और उसके बाद मिसाइलों का उपयोग करके उन्हें नष्ट कर देता है।

भारत ने 15 अक्टूबर अमेरिका के साथ ड्रोन खरीद के एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। राजधानी दिल्ली में भारत के शीर्ष रक्षा और रणनीतिक अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह दोनों देशों के बीच सामरिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रतीक है। इसके तहत विदेषी सैन्य बिक्री मार्ग से अमेरिकी रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ''जनरल एटामिक्स'' से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदे जाएंगे। इस खरीद की लागत लगभग 3.99 अरब अमेरिकी डॉलर होगी। इस खरीद का मुख्य उद्देष्य चीन के साथ विवादित सीमाओं पर भारतीय सेनाओं की यौद्धिक क्षमता को बढ़ाना है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की केन्द्रीय समिति 'सीसीएस' ने एमक्यू-9बी हंटर किलर ड्रोन की खरीद को मंजूरी प्रदान की थी।

प्रीडेटर ड्रोन की खरीद से भारत के शत्रु देश भारत को आंख दिखाने से डरेंगे। इन ड्रोन की षक्ति से भारत दुश्मनों के नापाक इरादों को तहस नहस करने में आसानी से सफल होगा क्योंकि ये समुद्र की निगरानी, पनडुब्बी रोधी युद्ध और जमीनी सीमा के उस पार लक्ष्य साधने सहित अनेक प्रकार की भूमिकाएं निभा सकते हैं। भारत विशेष रुप से चीन के साथ विवादित सीमा पर मुख्य रुप से सशस्त्र बलों की निगरानी व्यवस्था को बढ़ाने के लिए ड्रोन खरीद रहा है। ये ड्रोन हवा से जमीन पर सटीक मार करने में अत्यन्त सक्षम हैं। समझौते के तहत भारतीय नौसेना को 15 सी गार्डियन ड्रोन मिलेंगे तथा भारतीय वायु सेना व थल सेना को आठ-आठ स्काई गार्डियन ड्रोन मिलेंगे। अधिक उंचाई पर काम करने वाले ये ड्रोन 35 घण्टे से अधिक समय तक हवा में रहने में सक्षम हैं। ये चार हेलफायर मिसाइलें व 450 किलोग्राम बम ले जाने कीं क्षमता रखते हैं। इस ड्रोन सौदे की घोशणा जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान की गई थी।

अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स से जिस मानवरहित प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 बी का समझौता हुआ वह संसार का सबसे उन्नत श्रेणी का ड्रोन है। इस मानवरहित प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 बी के दो वर्जन हैं। पहला स्काई गार्डियन और दूसरी सी गार्डियन। एमक्यू-9 बी, सी गार्डियन ड्रोन तीनों सेनाओं के लिए खरीदे जा रहे हैं। ये ड्रोन कई तरह की यौद्धिक भूमिकाएं निभा सकते हैं। इस मानवरहित प्रीडेटर ड्रोन ने अपनी पहली उड़ान दो फरवरी 2001 को भरी थी। यह ड्रोन थर्मोग्राफिक कैमरे और सेंसर से लैस है। इस ड्रोन में मौजूद एक कैमरा तीन किलोमीटर की दूरी पर मौजूद किसी भी वाहन की नम्बर प्लेट तक को पढ़ सकता है। ऑपरेटर के आपात स्थिति में आक्रमण करने के लिए कमान्ड पर यह 1.2 सेकेन्ड में तीन किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। यह घातक मिसाइलों और बमों से षत्रु के ठिकानों पर आसानी से हमला करने में सक्षम है।

मानवरहित एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन की लम्बाई 26 फुट यानि कि लगभग 11 मीटर है। यह 4763 किलोग्राम अधिकतम वजन के साथ उड़ान भर सकता है। इस ड्रोन में 1769 किलोग्राम ईंधन एक बार में भरा जा सकता है। यह 1746 किलोग्राम भार का पेलोड लेकर उड़ सकता है। यह 500 फीसदी ज्यादा विस्फोटक सामग्री के साथ उड़ान भरने में सक्षम है। यह चार हेलफायर मिसाइलें, दो लेजर गाइडेड बम व 226 किलोग्राम बारूद ले जा सकता है। यह ड्रोन राडार सिस्टम को चकमा देने में सक्षम है। यह तय समय में हवा तथा पानी में गतिषील लक्ष्य को भी भेदने में अचूक है। इसके पंखों की लम्बाई तकरीबन 66 फुट है। यौद्धिक संक्रिया के समय यह पर्वतीय तथा दुर्गम हालातों में 50000 फुट की उंचाई तक सुरक्षित उड़ान भरकर शत्रु को नेस्तनाबूद कर सकता है। अमेरिका की वायु सेना ने वर्ष 2008 में अफगानिस्तान युद्ध के समय 230 किलोग्राम भार वाले बम से दुश्मन के 16 ठिकानों को एक ही उड़ान में ध्वस्त कर दिया था। इसी तरह 3 जनवरी 2020 को बगदाद हवाई अड्डे पर एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन की मदद से अमेरिका ने मिसाइल हमले में ईरानी कुर्द फोर्स के कमांडर कासिम सुलेमानी और इराकी पापुलर मैक्लिाइजेषन फोर्स के डिप्टी कमांडर अबू मंहदी अल-मुहाजिस को मार गिराया था। एमक्यू-9 बी ड्रोन लेजर गाइडेड मिसाइलों, एंटी टैंक मिसाइलों और एंटी शिप मिसाइलों से लैस है। यह चार मिसाइलों को एक साथ दागने में सक्षम है। इसकी खासियत यह भी है कि यह एक बार उड़ान भरने के बाद आसानी के साथ 1900 किलोमीटर तक की निगरानी कर सकता है। चीन के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में सीमा की निगरानी के लिए भारत को ऐसे ही ताकतवर ड्रोनों की महती आवष्यकता है। दरअसल चीन ने हिन्द महासागर के अलावा कई समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी को बढ़ाया है। चीन अपने जासूसी जहाजों के साथ-साथ उपग्रहों, रॉकेटों और बैलिस्टिक मिसाइलों को तैनात करने की क्षमता रखता है। ऐसे में भारत को इन ड्रोन की विषेश जरूरत थी। अब इनके मिलने से भारत की ताकत पर्वतीय क्षेत्रों में भी बढ़ जाएगी और समय रहते बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया जा सकेगा। यह ड्रोन एमक्यू-9 रीपर का दूसरा वर्जन है। इसका इस्तेमाल काबुल में हेलफायर मिसाइल के एक मोडिफाइड वर्जन को दागने के लिए किया गया था। इसमें अलकायदा प्रमुख अयमान अल जवाहिरी की मौत हो गई थी। प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 बी सी गार्डियन का इस्तेमाल क्वाड समूह के सदस्य चारो देष करते हैं। वर्तमान में भारत एक खुफिया एकत्रीकरण अभियान के हिस्से के रुप में एमक्यू-9 बी ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। इस ड्रोन की खासियत यह भी है कि इसे मानवीय सहायता, आपदा राहत, खोज तथा बचाव एवं पनडुब्बी रोधी युद्ध में भी उपयोग में लाया जा सकता है। एमक्यू-9 बी सी गार्डियन ड्रोन में एक इन-बिल्ट वाइड-एरिया समुद्री राडार, एक स्वचालित पहचान प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक समर्थन उपाय और एक स्व-निहित एंटी सबमरीन वारफेयर 'एएसडब्लू' कट लगी है। दुश्मन क्षेत्र के ठिकानों पर एकदम सट

पंजाब में शिक्षा क्रांति के लिए पहली बार किया जा रहा निवेश : भगवंत मान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार हमारी सरकार पंजाब में शिक्षा क्रांति के नये युग की शुरुआत करते हुये अध्यापकों, विद्यार्थियों और स्कूलों में निवेश कर रही है।

फिनलैंड में प्रशिक्षण के लिए जाने वाले अध्यापकों के पहले बैच को रवाना करते हुये अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन पंजाब के शिक्षा ढांचे में एक अहम मील का पत्थर है क्योंकि आज हम यहाँ अपने 72 प्राइमरी अध्यापकों को पेशेवर शिक्षा के लिए फिनलैंड के सफ़र के लिए रवाना करने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल नये मुल्क का सफ़र ही नहीं है, बल्कि पंजाब में शिक्षा की नई छवि बनाने की दिशा में नयी अध्यापन तकनीकों, बेहतरीन रिवायतों और नये तरीकों के बारे समझने का मौका है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षा भी समाज की रीढ़ होती है और पंजाब में राज्य सरकार शिक्षा ढांचे को सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है जिससे हर बच्चे की बिना किसी पक्षपात से उच्च मानक शिक्षा तक पहुँच यकीनी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब से 72 अध्यापकों को फिनलैंड भेजने की यह पहल शिक्षा के इस मंतव्य के लिए राज्य सरकार की वचनबद्धता दर्शाती है। उन्होंने कहा कि फिनलैंड को इसलिए चुना गया है क्योंकि अपने सबसे प्रभावशाली शिक्षा ढांचे के लिए यह मुल्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह दौरा सिर्फ़ कोर्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पढ़ाई की विधि, दर्शन और सृजन करना और नवीनता को उत्साहित करने का सभ्याचार पैदा करने के लिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिनलैंड का शिक्षा ढांचा मानक, अध्यापक की स्वामित्व और विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण पर ज़ोर देता है। यही गुण राज्य सरकार पंजाब के शिक्षा ढांचे में लाना चाहती है। अध्यापकों के साथ अपनी भावनात्मक सांझ की बात करते हुये उन्होंने अध्यापकों को भविष्य का निर्माता बताया क्योंकि अध्यापक न सिर्फ़ बच्चों को मानसिक पक्ष से विकसित करते हैं, बल्कि बच्चों में दया, ज़िम्मेदारी और नयी खोजों के लिए उत्साहित करने की भावना भर कर उनके चरित्र का निर्माण भी करते हैं। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से अध्यापकों को नयी शिक्षा रणनीतियां, क्लासरूम मैनेजमेंट युक्तियों और शिक्षा को विद्यार्थी केन्द्रित करने के लिए व्यापक पहुँच के बारे सीखने का मौका मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न सिर्फ़ क्लासरूमों के माहौल में तबदीली आयेगी, बल्कि इस पर हज़ारों विद्यार्थियों की ज़िन्दगियां भी निर्भर करेंगी, जिनको इस सांसारिक तजुर्बे से लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि फिनलैंड की शिक्षा में आपसी विचार-विमर्श और विद्यार्थी केन्द्रित तकनीकों पर ज़ोर दिया जाता है जिससे विद्यार्थियों की सोच को पंख दिए जा सकें और उनको मुश्किलों के हल ढूँढने और सृजन करने के लिए उत्साहित किया जाये। भगवंत सिंह मान ने कहा कि फिनलैंड में अध्यापकों को बहुत हद तक स्वामित्व हासिल है, जिससे अध्यापकों के पास अलग-अलग क्लासरूमें से ज़रूरतों के मुताबिक अलग हल लागू करने की छूट होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिनलैंड का शिक्षा माडल सिर्फ़ अकादमिक शिक्षण पर ज़ोर नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के भावुक, सामाजिक और शारीरिक विकास की तरफ भी ध्यान दिया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से हमारे अध्यापकों को फिनलैंड के शिक्षा शास्त्रियों के साथ मिलकर काम करने, अपने नज़रिए सांझा करने और लंबे समय के लिए सहयोग का मौका मिलेगा। भगवंत सिंह मान ने आशा जतायी कि यह अध्यापक लौट कर बदलाव के दूत बनेंगे क्योंकि वह फिनलैंड में हासिल ज्ञान और हुनर के द्वारा पंजाब में शिक्षा के लिए अनुकूल माहौल पैदा करेंगे। मुख्यमंत्री ने अध्यापकों को कहा कि वह इस प्रशिक्षण को एक बीज के तौर पर लें, जिससे ज्ञान का बड़ा पेड़ बनेगा, जो ख़ास तौर पर विद्यार्थियों और समूचे तौर पर पूरे भाईचारे के लिए लाभदायक होगा। उन्होंने कहा कि विदेशों में सीखी इन शिक्षा युक्तियों को पंजाब में लागू करवाने के लिए राज्य सरकार वचनबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ऐसे प्लेटफार्म सृजित करेगी, जिससे यह अध्यापक अपने इस ज्ञान के बारे दूसरे अध्यापकों को बता सकें और हमारे स्कूलों में लगातार सुधार का सभ्याचार पैदा हो। भगवंत सिंह मान ने अध्यापकों को न्योता दिया कि वह इस बदलाव की पहलकदमी पर मान महसूस करें क्योंकि वे सिर्फ़ प्रशिक्षण के लिए नहीं जा रहे, बल्कि वह लाखों बच्चों के सपने और इच्छाएं भी साथ लेकर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अध्यापकों को ज्ञान, सूझ-बूझ और अध्यापन के नये जज़्बे के साथ लौटने की अपील करते हुये कहा कि राज्य सरकार अपने अध्यापकों, अपने विद्यार्थियों और अपने स्कूलों में निवेश जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि राज्य और देश की तरक्की के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है। सभी अध्यापकों को शुभ कामनाएँ देते हुये भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि फिनलैंड में हासिल यह तजुर्बा अध्यापकों की सोच को नयी उड़ान देगा और इससे पंजाब की शिक्षा कहानी में नये अध्याय की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में शिक्षा और सेहत प्रणाली को सुरजीत करने के लिए अथक कोशिशें कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी स्कूलों में अपने बच्चे को भेजना मजबूरी होती थी परन्तु शिक्षा प्रणाली में हो रहे सुधारों को देखते हुये माता-पिता की यह अब ख़ाहिश होगी कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाएं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि विद्यार्थियों को मानक शिक्षा देने के लिए स्कूल आफ एमिनेंस स्थापित किये गए हैं। इसी तरह सरकारी सेहत प्रणाली को भी अपग्रेड किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी, हवा और ज़मीन की वोटें नहीं हैं तभी इन नेताओं ने इन तीनों मसलों को नजरअन्दाज किया है और राज्य के लिए चिंता का सबब बने इन बड़े मुद्दों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बड़े स्तर पर प्रदूषण के कारण यह तीनों ही कुदरती स्रोत दूषित हुए हैं, जिस कारण इससे समाज को अपूर्णीय क्षति हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद वातावरण को बचाने, नहरी प्रणाली का कायाकल्प करने और समाज की बेहतरी के लिए और मिसाली कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने सड़क सुरक्षा फोर्स की शुरुआत करके ऐतिहासिक पहलकदमी की है और अपने अस्तित्व से आठ महीनों में इससे सड़क हादसों में मौतों की गिनती में 45 प्रतिशत से अधिक कमी आई है। उन्होंने कहा कि फरवरी से सितम्बर 2023 तक राज्य में घटे सड़क हादसों में 1454 व्यक्तियों की जान गई, जबकि इस फोर्स की शुरुआत के बाद फरवरी 2024 से सितम्बर 2024 तक घटे सड़क हादसों में 794 जानें गई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस समय के दौरान 15309 ज़ख्मियों को प्राइमरी डाक्टरी सहायता दी गई। उन्होंने बताया कि किसी हादसे की सूरत में सड़क सुरक्षा फोर्स छह से आठ मिनट में मौके पर पहुंच जाती है और यह फोर्स लोगों के लिए 'जीवन रक्षक' बन कर उभरी है। बाद में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की दो राज्यों में सरकारें हैं, जहाँ शिक्षा पर सबसे अधिक ज़ोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके उलट भाजपा की तकरीबन 18 राज्यों में सरकारें हैं परन्तु उनका शिक्षा की ओर कोई ध्यान नहीं है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भगवा पार्टी का शिक्षा और सेहत क्षेत्र की बजाय सांप्रदायिक रास्ते पर वोटों के ध्रुवीकरन पर अधिक ध्यान है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने टेक इन्वेंट-2024 का किया उद्घाटन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को भारत के सबसे बड़े तकनीकी कार्यक्रम, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के वार्षिक टेक फेस्ट, टेक इन्वेंट-2024 का उद्घाटन किया। जो पूरे देश से युवा दिमागों को सृजन और नवाचार के लिए एक साथ लाता है।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टेक इन्वेंट-2024 जैसे तकनीकी कार्यक्रम एक जीवंत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस तरह के टेक फेस्ट बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में उभरते रुझानों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करने में मदद करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत हर महत्वपूर्ण क्षेत्र में तकनीकी उन्नति और उन्नयन का अधिकतम लाभ उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक, रक्षा से लेकर कृषि तक, तकनीकी हस्तक्षेप के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल अधिक रोजगार पैदा हो रहे हैं, व्यापार बढ़ रहा है, बल्कि लोगों को अपना जीवन आसान बनाने में भी मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास मानवीय जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए, जो आज हमारे देश में बहुत अच्छे तरीके से हो रहा है। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम आर्टिफिशियल लर्निंग, ऑटोमेशन, इंटेलिजेंस, मशीन रोबोटिक एज प्रोसेस कंप्यूटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी, ब्लॉक चेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 5जी और साइबर सिक्योरिटी के उपयोग में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। राज्यपाल ने छात्रों से नौकरी चाहने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनने का आग्रह करते हुए कहा कि आज भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

मुख्य समाचार

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सिरतार संस्थान में दो दिवसीय सत्त पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम शुरू

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » स्थानीय सिरतार संस्थान में कक्षा के वातावरण में बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों के लिए पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का अनुकूलन विषय पर दो दिवसीय सत्त पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम (सीआरई प्रोग्राम) का संचालन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. रमेश चन्द्र, उप सिविल सर्जन डॉ. राजबीर सभ्रवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर प्रसाद गोदारा, व संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पासवान ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में दिल्ली व हरियाणा के भिन्न-भिन्न जिलों से आए हुए 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंच का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शैलेश कुमार ने किया। सिविल सर्जन डॉ. रमेश चन्द्र ने दिव्यांगजनों के पाठ्यक्रम गतिविधिओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से दिव्यांगजन को उनकी कक्षा में इस्तेमाल होन वाली सामग्री में संशोधन और समायोजन करके शिक्षण को दिव्यांग छात्रों की जरूरतों के अनुकूल बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सकता है। विकलांग छात्रों को गतिविधिओं के द्वारा उनके कौशल को बढाया जा सकता है। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही चिकित्सा सुविधाओं व योजनाओं के विषय में भी प्रतिभागियों को बताया। संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पासवान ने समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों का हार्दिक धन्यवाद दिया और सिरतार संस्थान में दिव्यांगजनों को दी जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. मुकेश कुमार, राजवीर, डॉ. रविन्द्र कुमार, श्रीमति अन्जू, जसप्रीत कौर व मीनाक्षी समारोह में उपस्थित रहे।

बीएमयू के छात्रों को शीर्ष कंपनियों में रोजगार मिलना, शिक्षा पद्धति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का भी प्रमाण है : कुलपति डॉ. एच. एल. वर्मा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में एक कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कंपनियों ने भाग लिया और विश्वविद्यालय के छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच. एल. वर्मा ने कहा, 'हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे छात्रों को शीर्ष कंपनियों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। यह न केवल हमारे छात्रों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि हमारी शिक्षा पद्धति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का भी प्रमाण है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनाना है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से भी लैस करना है, जिससे वे उद्योग जगत की अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें।'कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में सुमित सर्जिकल, विद्युत ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड, होम कैब्स, यूनिवर्सिटी कार्ट कंपनी, ग्रोथबॉक्स, और अवसर प्लेसमेंट एजेंसी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। इस ड्राइव में लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए विशेष रुचि दिखाई, जिनमें प्रमुख रूप से मार्केटिंग और बिक्री, मानव संसाधन, लेखांकन और वित्त, डेटा माइनिंग और एनालिटिक्स, तथा शिक्षा (स्कूल शिक्षण) शामिल थे।

इन क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कियाद्। कंपनियों ने छात्रों की योग्यता और क्षमता की सराहना करते हुए उन्हें प्लेसमेंट के लिए चुना, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएं और सुदृढ़ हुईं। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. अभिषेक ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, 'हम सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उम्मीद है कि आगे भी हमारे छात्रों को शीर्ष कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलते रहेंगे।' इस आयोजन के माध्यम से बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय ने अपनी शिक्षा की उत्कृष्टता और उद्योग जगत में अपनी प्रतिष्ठा को सिद्ध किया।

एमसीसी स्वच्छता और समावेशिता के लिए प्रतिबद्ध

शहर भर में 331 सीटी/पीटी शौचालयों में सफाई अभियान चलाया गया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » स्वच्छता और संस्कारों को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने के उद्देश्य से, और आगामी त्योहारों को देखते हुए, नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) शहर की सार्वजनिक सुविधाओं में स्वच्छता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए सफाई कर्मचारियों, जिन्हें 'स्वच्छता सेवी' कहा जाता है, के असाधारण प्रयासों को स्वीकार करता है और उनका सम्मान करता है। उनकी निस्वार्थ सेवा के सम्मान में, एसबीएम ब्रांड एंबेसडर एमएक्स काजल मंगलमुखी ने सेक्टर 48 मार्केट पब्लिक कन्वीनियंस में आत्मनिर्भर वार्ड नंबर 35 में नागरिकों के साथ सफाई अभियान चलाया। मेयर कुलदीप कुमार ने सभी के लिए समावेशिता और सुलभता की भावना को प्रदर्शित करते हुए सुविधा में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए 'स्वच्छता सेवी' के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसके अतिरिक्त, पूरे शहर में 331 शौचालयों (CT/PT) में नागरिकों के नेतृत्व में एक विशाल सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें स्वच्छ और स्वास्थ्यकर सुविधाओं को बढ़ावा देने में सामुदायिक सहयोग की शक्ति पर प्रकाश डाला गया। मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन (MWA), रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA), स्वयं सहायता समूहों (SHG) और स्ष्ट अधिकारियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, चंडीगढ़ के निवासियों की भलाई के लिए अपने समर्पण का प्रदर्शन किया।

MC कमिश्नर विनय प्रताप सिंह, IAS ने शहर की सार्वजनिक सुविधाओं को बनाए रखने में 'स्वच्छता सेवियों' द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य को स्वीकार किया और उनका समर्थन किया। इन सुविधाओं को समावेशी और सभी के लिए सुलभ बनाने के उनके अथक प्रयास प्रशंसा के पात्र हैं, जो चंडीगढ़ में स्वच्छता और स्वच्छता के लिए उनके द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हैं।

कमिश्नर ने आगे बताया कि चंडीगढ़ में 331 सार्वजनिक शौचालय हैं, जिनमें से 50% का प्रबंधन MWA, RWA, SHG और NGO द्वारा परिश्रमपूर्वक किया जाता है। MCC यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है कि ये स्वच्छता सुविधाएँ स्वच्छता और रखरखाव के उच्चतम मानकों को पूरा करती हैं। सार्वजनिक सुविधाओं में स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के अपने प्रयास में, सभी के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर स्वच्छता सुविधाओं तक पहुँच को सक्षम बनाना नगर निगम चंडीगढ़ के लिए सर्वोपरि है।इसके अलावा, शौचालय की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए, 52 शौचालयों में भित्ति चित्रों के माध्यम से सौंदर्यीकरण किया गया।

कैंसर अब लाइलाज नहीं, पोजीट्रोन अस्पताल ने किया 1000 से ज्यादा कैंसर मरीजों का सफल इलाज

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

जींद » पोजीट्रोन अस्पताल में आज कैंसर के ऊपर प्रेस वार्ता रखी गई जिसमें पी जी आई से सेवानिवृत्त डॉ ज़िले सिंह कुण्डू ने बढ़ते हुए कैंसर के बारे में चर्चा की और उससे कैसे बचा जा सकता है वो सब बताया । उन्होंने बताया कि प्रदेश में कैंसर मरिजो की बढ़ोतरी हुई है इसी को ध्यान में रखते हुए पोजीट्रोन अस्पताल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया । इस मोके पर डॉ संजय बड़ेसरा स्त्री कैंसर रोग विशेषज्ञ , डॉ मनीष शर्मा कैंसर रोग विशेषज्ञ , डॉ संदीप भूकर कान, नाक व गला कैंसर रोग विशेषज्ञ और डॉ मनोज तायल कैंसर रोग विशेषज्ञ मोजूद रहे । अस्पताल के सीईओ अनिल यादव जी ने बताया कि अस्पताल में उच्च सत्र की मशीनों द्वारा कैंसर की स्क्रीनिंग की जाती है ताकि मरीज की बीमारी का अच्छे से पता लगाया जा सके, जैसे ही मरीज की बीमारी का पता चलता है तो ट्यूमर बोर्ड की टीम ही सुनिश्चित करती है की मरीज का इलाज किस प्रकार होगा। ट्यूमर बोर्ड की टीम में सर्जिकल ऑनकोलॉजीस्ट, मेडिकल ऑनकोलॉजिस्ट, रेडिएशन ऑनकोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्टि, डायग्नॉस्टिक रेडियोलॉजिस्टि और अमेरिका से भी डॉक्टर जुड़े हुए है जो वहा की नवीनतम तकनीक यहां सांझा करते है और फिर उसी के आधार पर मरीज का इलाज शुरू होता है। कैंसर को पहचानने मे पैथोलॉजी और डायग्नॉस्टिक रेडियोलॉजी विभाग के अनुभवी डॉक्टर अहम भूमिका निभाते है जिससे कैंसर की पहचान करने के बाद सही समय पर सही इलाज शुरू कर दिया जाता है, अस्पताल इन विभाग को सफलता का श्रेय देता है।

अस्पताल में सभी प्रकार के कैंसर के ऑपरेशन, इम्युनोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, कैंसर लैब, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी जैसे सभी सुविधाए एक ही छत के नीचे उपलब्ध है । आज हमे खुशी होती है ये बताते हुए की अभी तक हम 1000 से ज्यादा कैंसर के ऑपरेशन व 500 से ज्यादा मरीजों की कीमोथेरेपी कर चुके है। मरीज इलाज करवाने के बाद आते है और हमे बताते है कि अब वो शकुशाल अपना जीवन बिता रहे है। अमेरिका में 26 सेंटर चलाने के बाद पोजीट्रोन अस्पताल को भी उन्ही तकनीकों के साथ बनाया गया है ताकी मरीज को बेहतर इलाज रोहतक में मिल सके और उसे दिल्ली या गुड़गांव जैसे बड़े शहरो में ना जाना पड़े। सही समय पर कैंसर स्क्रीनिंग करवाए और चिंता मुक्त हो जाए। कैंसर ट्रीटमेंट में लगातार सकारतामक बदलाव आ रहे है और पोजीट्रोन अस्पताल इनोवेशन और एक्सीलेंस के मामले में हमेशा आगे रहता है । कैंसर के इलाज में काफ़ी एडवांसमेंट हुए है । इस सेंटर में PIPAC जैसे ऑपरेशन भी संभव है जो की पूरे हरियाणा में सिर्फ इसी सेंटर पर होता है जिसमे मरीज के अंदर कीमोथेरेपी की दवाई का स्प्रे किया जाता है जिसमे साइड इफ़ेक्ट का खतरा भी नहीं रहता।

लापता युवक का शव बरामद

पब्लिक एशिया ब्यूरो

फतेहाबाद » हरियाणा में फतेहाबाद पुलिस ने रतिया में लापता युवक का शव शुक्रवार को लहूलुहान हालत में फतेहाबाद रोड पर नहर के पास बरामद किया है।युवक का सिर बुरी तरह से ईंटों से कुचला हुआ था और परिजनों ने हत्या के आरोप जड़े हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, अभी तक मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रतिया के लाली रोड निवासी आकाश (26) वेटर पार्टी में काम करता था। वीरवार रात को वह घर से काम के लिये रवाना हुआ था। उसके बाद से रात भर वह घर नहीं आया और परिजनों उसे तलाश रहे थे। शुक्रवार सुबह फतेहाबाद रोड पर बड़ी नहर के पास युवक का शव लहूलुहान मिला तो उसकी पहचान आकाश के रूप में हुई। आकाश के भाई अजय ने बताया कि रात भर वे उसकी तलाश में जुटे थे और आज सुबह उन्होंने शव देखा कि उसका सर बुरी तरह ईंट पत्थरों से कुचला हुआ था और पास ही ईंट पत्थर पड़े थे। उन्होंने संदेह जताया कि युवक की ईंटों से सिर कुचल कर हत्या की गयी है। आकाश के चाचा ने बताया कि सात आठ दिन पहले बस्ती पीरु राम निवासी कुछ युवकों के साथ आकाश का झगड़ा हुआ था।

गुरदासपुर में तीन किग्रा से अधिक हेरोइन बरामद

जालंधर » सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को पंजाब के जिला गुरदासपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तीन किलो 380 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि गुरदासपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में मादक पदार्थों की मौजूदगी के बारे में बीएसएफ खुफिया इकाई की सूचना पर कार्रवाई करते हुये, बीएसएफ के जवानों ने तुरंत संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाशी दौरान अपराह्न लगभग 12 : 40 बजे जिले के गांव मछराला से सटे इलाके से एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन की जिसका कुल वजन 3.380 किलोग्राम था। -एजेंसी

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य अभियंता/निर्माण, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई–निविदा प्रणाली द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम एवं स्थान	जगाधरी में कमांडो प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना के साथ साथ विभिन्न संरचनाओं/भवनों के निर्माण एवं मौजूदा संरचनाओं/इमारतों का उन्नयन।
अनुमानित/निदेशात्मक परियोजना लागत	रु. 2356.12 लाख
कार्य निष्पादन की अवधि	12 (बारह) माह
जमा की जाने वाली जमानती राशि	रु. 13,28,100.00/–
ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय	निविदा दस्तावेज 11:30 बजे दिनांक 21.10.2024 से 12.11.2024 तक आईआरईपीएस की वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	12.11.2024 को 11:30 बजे तक निविदाकर्ता द्वारा 28.10.2024 से 12.11.2024 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।
ई–निविदा खुलने की तिथि एवं समय	11.30 बजे दिनांक 12.11.2024 को खोली जायेगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।

टेन्डर नोटिस सं0 120–डब्ल्यू/उप.मु.अभि./नि./अ.छा./2024–25
दिनांक : 18.10.2024
3235/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हादसे पर खुलेगा हेलमेट का एयर बैग, घर जाएगी इमरजेंसी कॉल

» 'सिनर्जी 24' इनोवेशन की धमक, युवा जोश का धमाल

» सबसे बड़े टेक फेस्ट में विजन, विज्ञान, चिकित्सा, अनुसंधान के बीच दिखा नव भारत का अवतार

पब्लिक एशिया ब्यूरो

गुरुग्राम। देश की सबसे अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में शुमार एसजीटी यूनिवर्सिटी के वार्षिक उत्सव 'सिनर्जी 2024' में इनोवेशन, विजन, विज्ञान, एनर्जी व कला-संस्कृति का धमाल शुरू हो गया है। भव्य तैयारियों के साथ सजे मंच पर युवा प्रतिभाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल का ऐसा प्रदर्शन किया कि विभिन्न स्टालों पर आने वाले विजिटर्स हत्प्रभ रह गए। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, एआई, मानव संसाधन, कला, वाणिज्य, मास कम्युनिकेशन व अन्य विभागों के स्टालों पर भारी भीड़ उमड़ी। तीन खंडों में फैले विशाल कैंपस में ऐसा आयोजन शुरू हुआ जिसे बरसों तक भुलाना मुमकिन नहीं।

बाइक सवारों का रक्षा कवच

उत्सव के दौरान बाइक सवारों के लिए सर्वे शील्ड हेलमेट का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया गया, जिसमें हादसा होते ही हेलमेट में लगा एयर बंग खुल जाएगा और पीड़ित के घर इमरजेंसी कॉल भी चली जाएगी।

सिनर्जी उत्सव में प्रस्तुत सर्वे शील्ड हेलमेट लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। छात्र पुष्य कुमार, मिताली और रोहित धारीवाल ने बताया कि अक्सर बाइक सवार हादसे का शिकार होते हैं। हादसे में हेलमेट की वजह से सिर तो बच जाता है कि लेकिन गर्दन की हड्डी ज्यादा प्रभावित होती है। इसे देखते हुए हेलमेल में सुरक्षा को देखते हुए बैग लगाया गया है। इसके अलावा इसमें एक डिवाइस लगाई गई जो हादसे के बाद इमरजेंसी कॉल संबंधित व्यक्ति के घर तक पहुंचाएगी। हादसे के दौरान झटका लगते ही गर्दन को सपोर्ट देने के लिए बंग खुल जाता है। उनका कहना है कि इसमें कैमरे समेत अन्य फीचर भी जोड़े जा सकते हैं। छात्रों ने बताया कि इन सभी उपकरणों के लगाने से हेलमेट की कीमत में कोई ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। सिनर्जी कार्यक्रम में 300 से अधिक शैक्षिक संस्थानों छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही है। 'सिनर्जी 2024' के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के महानिदेशक (डीजी) के राजा भानु रहे जबकि, विशिष्ठ अतिथि आई इन्फ्यूजन एंड ऑटोमेशन कैंडल के ग्लोबल निदेशक प्रांशुमन राय और टाटा वन एमजी के सीईओ प्रशांत टंडन उपस्थित रहे। इस मौके पर वीसी डॉ मदन मोहन चतुर्वेदी समेत अनेक गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी का विजन

'आज दुनिया भारत को नवाचार के केंद्र के रूप में देखती है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कथन में हमारे युवाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास की झलक मिलती है। पीएम के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने की भावना के साथ 'सिनर्जी2024' का आयोजन किया गया। पिछले साल, 'सिनर्जी' में 300 से अधिक स्कूलों के 25,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था, और इस साल के आयोजन में इनकी संख्या कहीं ज्यादा दिखाई दी।

ब्रेस्ट फीडिंग मॉडल

'सिनर्जी 24' में छात्राओं ने ब्रेस्ट फीडिंग मॉडल भी प्रस्तुत किया। दीक्षा, मानसी और सजना ने बताया कि नवजात को देखभाल करने में महिलाओं को काफी परेशानी होती है। कई बार उन्हें पीठ दर्ज की समस्या हो जाती है। दूसरा बच्चे को लेकर काम करने में परेशानी होती है। महिलाओं की इस समस्या को देखते हुए ब्रेस्ट फीडिंग मॉडल बनाया गया है। उनका कहना है कि इस मॉडल का पेटेंट कराने की योजना है। वहीं रितिका प्रशंसा और सोम्या ने ब्रोनोजालो डीकोडिंग नाम से एक मॉडल बनाया है। उनका कहना है कि मस्तिष्क की बीमारी में एमआरआई या सीटी स्कैन को डॉक्टर के अलावा मवेज या उसके परिजन समझ नहीं पाते हैं। ऐसे में इस मॉडल के जरिए मरीज और उसके परिजनों को आसानी से बताया जा सकता है कि मस्तिष्क में क्या बीमारी और इसका प्रभाव क्या पड़ रहा है।

स्मार्ट ऑक्सीजन टैंक

छात्रों ने एक स्मार्ट आक्सीजन टैंक का भी माडल प्रदर्शित किया है। विद्यार्थी अंजलि, चेतना और कुल रंजन ने बताया कि अक्सर ऑक्सीजन सिलेंडर प्रयोग करने के दौरान ऑक्सीजन गैस खराब होती है। उनका कहना है कि ऐसे में एक कैपेका स्मार्ट आक्सीजन टैंक बनाने का विचार आया। छात्रों ने बताया कि इसमें सिलेंडर और प्रयोग करने के दौरान किसी प्रकार से गैस रिसाव को रोकने में मदद मिलती है।

डिनर में बनाएं वेज कटहल

बिरयानी, नॉनवेज पसंद करने वाले भी शौक से खाएंगे। छात्रा लक्ष्मी, रितिका सूर्य और तरुण ने बताया कि कई बार लोग नॉनवेज को छोड़ना चाहते हैं। ऐसे में वेज कटहल बिरयानी बेहतर खाना है। उनका कहना है कि कटहल बिरयानी का स्वाद नॉनवेज पसंद करने वालों को भी खूब भाता है। कटहल स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिकता से भी भरपूर होती है। कटहल से बनने वाली फूड डिशेस में से एक है कटहल बिरयानी, जिसका स्वाद सभी को भाता है। बिरयानी एक ऐसी फूड डिश है जो वेज और नॉनवेज दोनों तरह से बनाई जा सकती है। बैंक फूड बर्गर जैसे कई आइटम छात्राओं ने बताकर लोगों को बताया।

एमडीयू रोहतक में सम्मान समारोह और राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन लगातार तीसरी बार सरकार बनना मनोहर सोच का सुखद परिणाम : सुदेश कटारिया

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहरलाल के चीफ मीडिया एडवाइजर सुदेश कटारिया ने कहा की हरियाणा के इतिहास में लगातार तीसरी बार शानदार बहुमत के साथ भाजपा सरकार का बनना एक मनोहर सोच का सुखद परिणाम है। सुदेश कटारिया गुरुवार को रोहतक स्थित महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में छात्र हितकारणी महासभा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन श्री कटारिया को चीफ मीडिया एडवाइजर की बड़ी जिम्मेदारी मिलने की खुशी में ओर हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग की दशा व दिशा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर किया गया था। सेमिनार में सैकड़ों की संख्या में समाज के अनेक संगठनों के सदस्यों एवं बुद्धिजीवियों ने शिरकत की। सुदेश कटारिया ने कहा की लगातार तीसरी बार किसी भी पार्टी की सरकार बनना सीधे तौर पर उनकी दूरदर्शी ओर पारदर्शी सोच ओर मजबूत इरादों को साबित करता है जिसकी बुनियाद 2014 में पहली बार मुख्यमंत्री बने मनोहरलाल खटटर ने रख दी थी। प्रदेश की जनता यह बखूबी जानती है की जब उन्होंने सत्ता संभाली तो हालात पूरी तरह से खराब हो चुके थे। उनके कार्य करने के तौर तरीकों का विरोधियों द्वारा जमकर मजाक उड़ाया जा रहा था। इतना ही नही कांग्रेस की हुडडा सरकार ने अपने 10 साल के शासनकाल में सरकारी नौकरियों के नाम पर दलालों का ऐसा बाजार खड़ा कर दिया था जिसमें सरेआम पर्ची और खर्ची का खेल चलता था। सीएम मनोहरलाल ने सबसे पहले इस खेल को खत्म करने का काम किया। कड़े निर्णय लेकर नौकरियों की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता शुरू कर दी जिसके शानदार परिणाम लगातार हम सभी के सामने आ रहे हैं। जिसका सबसे ज्यादा फायदा हमारे समाज के युवाओं को हुआ है। भाजपा सरकार में डेढ़ लाख से ज्यादा युवा अपनी योग्यता के आधार पर सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह वो क्रांतिकारी कदम था जिसकी बदौलत प्रदेश की जनता ने बिना शोर मचाए मनोहरलाल की मनोहर सोच पर लगातार तीसरी बार अपनी मोहर लगाई। इसी परपंरा को अब मुख्यमंत्री नायब सैनी आगे बढ़ा रहे हैं। जिन्होंने शपथ ग्रहण समारोह के दिन 17 अक्टूबर को 24 हजार युवाओं के परिणाम घोषित कर अपने वायदों को पूरा करने की दिशा में कदम आगे बढ़ाया। इससे पूर्व समारोह में वक्ताओं ने एकसुर में कहा की इस विधानसभा चुनाव में दलित समाज को वापस भाजपा में लाने में श्री कटारिया मुख्य सूत्रधार के तौर पर मील का पत्थर साबित हुए हैं। यही वजह है की प्रदेश में चारों तरफ समाज में उनके योगदान को लेकर आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया है। उन्होंने कहा की कार्यक्रमों की विशेष बात यह है की इस तरह के आयोजन में समाज के सैकड़ों लोग अपनी समस्याओं एवं अन्य मांगों को लेकर भी अलग से चर्चा करते हैं। जिस पर श्री कटारिया मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत कर उनका निपटारा करते हैं। सुदेश कटारिया की इसी अनूठी कार्यप्रणाली के चलते समाज में भाजपा के प्रति जुड़ाव तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस मौके पर डॉ मनोज, रामनिवास, मुकेश सरपंच, शोधार्थी दीपक, छात्र नेता विक्रम, वजीर सरपंच, राजेश सरपंच, सिरतार निदेशक ए डी पासवान, सुनील जींद, पवन सरपंच, संत शिरोमणी रविदास से बलवंत भोरिया, हजरस प्रदेश अध्यक्ष दिनेश, नरेश सरपंच, बिजेंद्र चहल सरपंच, अमित कलसन, कमिश्नर वीरेंद्र, नसीब सिंचाई विभाग, बलवान रंगा भागल, कुलदीप अंबेडकर सभा नरवाना, अनिल बिनटू अंबेडकर सभा महम, राजकुमार रविदास सभा राजौंद, राहुल समेत सैकड़ों समाज के लोग उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी के दोबारा मुख्यमंत्री बनने पर लोगों में खुशी की लहर

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » राष्ट्रीय सैनी पंचायत के संस्थापक कटारिया जगदीश राय सैनी ने हरियाणा में नायब सैनी को दोबारा मुख्यमंत्री बनाये जाने पर राष्ट्रीय सैनी पंचायत के स्थानीय चुनीपुरा स्थित कार्यलाय में कार्यकर्ताओं और लोगों में लड्डू बांटकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बहुत ही मिलनसार व्यक्ति है, जो आम जनता की भावनाओं को समझते है यही कारण है कि उन्हें हरियाणा की जनता ने दुबारा मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश के चुहँमुखी विकास के रास्ते खोल दिये है। नायब सिंह सैनी 36 बिरादरी के चहेते नेता है। जो बगैर किसी भेदभाव के हरियाणा की उन्नति के लिए दिन रात प्रयासरत रहे। केन्द्रीय नेतृत्व ने भी उनकी कार्यप्रणाली को देखते हुए उन्हें दोबारा हरियाणा की जनता की सेवा करने के लिए मौका दिया। कटारिया जगदीश राय सैनी ने कहा कि हमारी संस्था इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साथ समस्त बीजेपी पार्टी का धन्यवाद करते है तथा अपनी तरफ से हम आश्वासन दिलवाते है कि नायब सिंह सैनी ही नहीं वरन उनके नेतृत्व में प्रदेश का बच्चा बच्चा हरियाणा की उन्नति में अपना सहयोग देगा। इस अवसर पर अनिल सैनी कोषाध्यक्ष, गोबिन्द राम सैनी महासचिव, पवन सैनी सैनीपुरा, रणबीर सिंह सैनी संगठन सचिव, उद्योगपति अशोक कुमार सैनी, राजबीर सैनी जिला महासचिव आदि उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज ने डॉ अरविन्द शर्मा के कैबिनेट मंत्री बनाने की खुशी में लड्डू बांटे

रोहतक » रोहतक में ब्राह्मण समाज की एक मीटिंग का आयोजन किया गया ,जिसकी अध्यक्षता गौड़ ब्राह्मण शिक्षण संस्थाओं के पूर्व महासचिव एडवोकेट शिव शर्मा ने की।मीटिंग में डॉ अरविन्द शर्मा को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया।इस मोके पर ब्राह्मण समाज के लोगों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई।समाज के लोगों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।समाज के लोगों ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने भारतीय जनता पार्टी को दिल खोलकर वोट दिया है जिसका नतीजा है कि ब्राह्मण समाज से 7 विधायक चुने गये है।समाज के लोगों ने बताया कि डॉ अरविन्द शर्मा एक आम परिवार से जुड़े हुए है जिन्होंने हमेशा 36 बिरादरी को साथ जोड़कर चलने का काम किया है।डॉ अरविन्द शर्मा ने हमेशा किसान, गरीब,दलित वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया है।समाज के लोगों ने कहा कि डॉ अरविन्द शर्मा कैबिनेट मंत्री बनकर हरियाणा में एक नए अध्याय की शुरुआत करेंगे।इस मौके पर समाजसेवी रणधीर भारद्वाज,अनिल कौशिक बोहर,एडवोकेट वीके शर्मा,नवीन शर्मा, एडवोकेट मोहित शर्मा,संजीव शर्मा,दुर्गेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

भगवान् वाल्मिकी के दिखाये रास्ते पर चलकर ही राष्ट्र का कल्याण हो सकता है : दीपेन्द्र हुड्डा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज रोहतक प्राचीन भगवान् वाल्मीकि मंदिर द्वारा आयोजित भगवान् वाल्मीकि प्रकटोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने भगवान् वाल्मीकि की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने सभी को 'रामायण' महाकाव्य के रचयिता आदि कवि भगवान् वाल्मीकि जी की जयंती पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान् वाल्मीकि जी का आशीर्वाद पूरे प्रदेश पर बरसे और आने वाला समय खुशियां लेकर आए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने का काम किया और समाज को एकता संदेश दिया।

उनके उपदेशों को जीवन में आत्मसात करना ही भगवान् बाल्मिकी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने आयोजकों को सफल कार्यक्रम के आयोजन की बधाई भी दी। दीपेंद्र हुड्डा आज रोहतक में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भगवान् वाल्मिकी के दिखाये रास्ते पर चलकर ही राष्ट्र का कल्याण हो सकता है। उनके आदर्शों को अपनाकर समतामूलक समाज की स्थापना हो सकती है।समतामूलक समाज से आशय ऐसे समाज से है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के प्रति समभाव हो, हर एक व्यक्ति को समाज में यथोचित सम्मान पाने के सभी अवसर समान रूप से उपलब्ध हों।

जो गरीब का नहीं वो किसी का नहीं हो सकता : दीपेन्दं सिंह हुड्डा

जब सभी व्यक्तियों को जीवन के विभिन्न् क्षेत्रों में श्रेष्ठता सिद्ध करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहेंगे तो स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के साथ समाज में सकारात्मकता बनी रहेगी और समाज प्रगतिशील बनेगा। उन्होंने कहा कि जो गरीब का नहीं वो किसी का नहीं हो सकता। बीजेपी सरकार गरीब, कमजोर और वंचित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों पर लगातार चोट पहुंचा रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि 2014 में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से हरियाणा में दलितों के खिलाफ अपराधों में 96.2| की वृद्धि हुई है। दलित समाज के खिलाफ अपराध 2014 में 16.2| था जो अब बढ़कर 38.8| पर पहुंच गया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक शकुंतला खटक, विधायक बीबी बतरा मौजूद रहे।

मॉडल टाउन के मैक्स मेड सेंटर में मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा किया गया स्तन कैंसर पर एक दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » वीरवारै को दिल्ली मे शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने पानीपत के मॉडल टाउन के मैक्स मेड सेंटर में ब्रेस्ट कैंसर पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया। जिसमें समय पर जांच के महत्व और उन्नत उपचार विधियों पर जोर दिया गया। भारत में ब्रेस्ट कैंसर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है और समय पर जागरूकता से परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है। इस जागरूकता सत्र मे मैक्स अस्पताल शालीमार बाग से मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. सज्जन राजपुरोहित व सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की कंसल्टेंट डॉ. अल्का दहिया मौजूद थे। डॉक्टर ने समय पर निदान के महत्व और इस घातक बीमारी से लड़ने में उन्नत उपचार विधियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। जिससे संबंधित मृत्यु दर और बीमारी के प्रभाव को रोका जा सके।

मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. सज्जन राजपुरोहित ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर के लक्षणों में स्तन में गांठ या कठोरता, स्तन के आकार या आकार में बदलाव, त्वचा में डिंपलिंग या लालिमा और असामान्य निप्पल डिस्चार्ज शामिल हो सकते हैं। डॉक्टर ने कहा कि समय पर निदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो शारीरिक या स्वयं-परिक्षण के साथ शुरू होता है। इसके बाद मैमोग्राम या अल्ट्रासाउंड जैसे इमेजिंग टेस्ट किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई असमानता पाई जाती है, तो बायोप्सी के जरिए कैंसर की पुष्टि की जाती है। सही उपचार मरीज के कैंसर के प्रकार और स्टेज के आधार पर निर्धारित किया जाता है। साथ ही मरीज की समग्र स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखा जाता है। उपचार विकल्पों में सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, हार्मोन थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी या इम्यूनोथेरेपी शामिल हो सकते हैं। कई मामलों में एक से अधिक प्रकार के उपचार का उपयोग किया जाता है। हर मरीज का मामला अनूठा होता है और हम उसके अनुसार उपचार की योजना बनाते हैं।

वहीं जागरूकता सत्र मे सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की कंसल्टेंट डॉ. अल्का दहिया ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना, नियमित व्यायाम और संतुलित आहार से ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है। जबकि कुछ कारक व्यक्ति के नियंत्रण में नहीं होते हैं। कुछ जीवनशैली विकल्प और उपाय हैं जो ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम में मदद कर सकते हैं। ब्रेस्ट कैंसर के उपचार में एक मल्टी-डिसिप्लिनरी एप्रोच अपनाया जाता है, जो कैंसर के चरण पर निर्भर करता है। सर्जिकल उपचार में लम्पेक्टॉमी/ब्रेस्ट कंजर्वेशन ट्रीटमेंट (बीसीएस) शामिल है। जिसमें प्रारंभिक चरण के कैंसर के लिए ट्यूमर और आसपास के स्वस्थ ऊतक के छोटे हिस्से को हटाया जाता है। यह तरीका सभी मामलों में प्राथमिकता दी जाती है। अन्य सर्जिकल विधियों में मास्टेक्टॉमी शामिल है, जिसमें बड़े ट्यूमर के लिए पूरे स्तन को हटा दिया जाता है।

डॉ अल्का ने कहा कि मैक्स अस्पताल उन्नत कैंसर उपचार प्रदान करने के लिए समर्पित है तथा ऑन्कोलॉजिस्ट्स की टीम, अत्याधुनिक तकनीक और उच्च स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित है। उन्होंने कहा कि मैक्स अस्पताल सभी को जागरूक रहने, निवारक उपाय करने और समय-समय पर नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि ब्रेस्ट कैंसर का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में जाट कॉलेज बना विजेता

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज वॉलीबाल प्रतियोगिता में जाट कॉलेज की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इस मौके पर जाट शिक्षण संस्थान के प्रधान श्री गुलाब सिंह दिमाना ने खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद दिया और उन्हें खेल के लिए हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन दिया। शुक्रवार को कॉलेज प्रांगण में विजेता खिलाड़ियों के पहुंचने पर प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। टीम के कोच डॉ. वरुण मलिक ने बताया कि मदवि के खेल मैदान में आयोजित इंटर वॉलीबाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के खिलाड़ी सुमित, हितेष छिल्लर, वंश ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। डॉ. वरुण मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के सेमिफाईनल मुकाबले में जीएसएसडी पलवल के बीच मुकाबला हुआ जिसमें जाट कॉलेज की टीम ने 2-1 से मैच जीतकर फाईनल में जगह बनाई। वहीं फाईनल मुकाबले में जाट कॉलेज की टीम का मुकाबला यूटीडी के बीच हुआ जिसमें जाट कॉलेज की टीम ने 3-2 से मैच जीतकर प्रतियोगिता को अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर श्री सुरेंद्र सिंह दिमाना, डॉ. मीनल मलिक, डॉ. वरुण मलिक, डॉ. नीतेश लठवाल, डॉ. मनीष हुड्डा, डॉ. राम, श्री ललित सहित विजेता खिलाड़ी मौजूद रहे।